संत ज़ेवियर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, दिल्ली - 54

कक्षा–10 | प्री–बोर्ड परीक्षा (सेट 1) – 2017–18 | पूर्णांक–80

दिनांक–11.1.2018 | हिन्दी | समय–3 घंटे

निर्देश :– 1. इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खण्ड 'क'

1. निम्न गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

आज तुम्हारे आगमन के चतुर्थ दिवस पर यह प्रश्न बार–बार मन में घुमड़ रहा है– तुम कब जाओगे अतिथि? उस दिन जब तुम आए थे मेरा मन किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था।अंदर ही अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया था। उसके बावजूद एक स्नेह भरी मुस्कुराहट के साथ मैं तुमसे गले मिला था और मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की थी। तुम्हारे सम्मान में ओ अतिथि, हमने रात के भोजन को एकाएक उच्च–मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था।

तीसरे दिन की सुबह तुमने मुझसे कहा–''मैं धोबी को कपड़े देना चाहता हूँ।'' यह आघात अप्रत्याशित था और इसकी चोट मार्मिक थी। तुम्हारे सामीप्य की वेला एकाएक यों रबर की तरह खिंच जाएगी, इसका मुझे अनुमान न था। पहली बार मुझे लगा कि अतिथि सदैव देवता नहीं होता, वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है।

पत्नी की आँखें इस आशंका और भय से बड़ी हुई कि अतिथि अधिक दिनों तक ठहरेगा।

तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुस्कुराहट धीरे–धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है। ठहाकों के रंगीन गुब्बारे शांत हो गए, बातचीत की उछलती हुई गेंद चुप पड़ी है। शब्दों का लेन–देन मिट गया और चर्चा के विषय चुक गए। बार–बार यही प्रश्न उठ रहा है–तुम कब जाओगे, अतिथि ?

क. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (1)

ख. लेखक के लिए कौन–सा आघात अप्रत्याशित था और क्यों ? (1)

ग. जब अतिथि चार दिनों तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया ? (2)

घ. लेखक ने राक्षस की संज्ञा किसे और क्यों दे डाली ? (2)

ड. वर्तमान समय में यह कहाँ तक तर्कसंगत है– कि अतिथि देवता के समान होता है? (2)

2. निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे–छोटे पौधे
बड़े सुशील विनम्र
देखकर मुझको यों बोले–
हम भी कितने खुशकिस्मत हैं
जो खतरों का सामना नहीं करते
आसमान से पानी बरसे, आँधी गरजे,
हमको कोई फिक्र नहीं है
एक बड़े की वरद छत्रछाया के नीचे
हम अपने दिन बिता रहे हैं
बड़े सुखी हैं।

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे–छोटे पौधे
असंतुष्ट और रूष्ट
देखकर मुझको यों बोले–
हम भी कितने बदकिस्मत हैं
जो खतरों का सामना नहीं करते
वो कैसे ऊपर को उठ सकते हैं
इसी बड़े की छाया ने ही
हमको बौना बना रखा है
बड़े दुखी हैं।

Contd…..2.

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे–छोटे पौधे
तने हुए, उद्दण्ड
देखकर मुझको यों बोले –
हमको छोटा रखकर ही यह बड़ा बना है।
जन्म अगर हम इसके पहले पाते
तो हम इसके अग्रज होते
हम इसके दादा कहलाते–इस पर छाते
नहीं वक्त का जुल्म हमेशा
हम यों ही सहते जाएँगे।
हम काँटों की आरी औ' कुल्हाड़ी अब तैयार करेंगे।
फिर जब आप यहाँ आएँगें
बरगद की डाली–डाली कटती पाएँगे
ठूँठ मात्र ही यह रह जाएगा नंगा बूचा
और हम इसे निगल जाएँगे समूचा।

क. काव्यांश में किस वास्तविकता से परिचय कराया जा रहा है ? (1)
ख. बरगद किसका प्रतीक है ? (1)
ग. 'बदकिस्मत'तथा 'उद्दण्ड' शब्दों के विलोम शब्द पद्यांश से छाँटकर लिखें। (1)
घ. 'जो खतरों का सामना नहीं करते वे कैसे ऊपर को उठ सकते हैं'– पंक्ति में जीवन का क्या संदेश छुपा है? (2)
ड. तीसरी पीढ़ी और पहली पीढ़ी की सोच में क्या अंतर है, स्पष्ट करें ? क्या तीसरी पीढ़ी की सोच उचित है ? अपने तर्क दीजिए। (2)

खण्ड 'ख'

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x3=3)
   क. लोग कह रहे थे कि कल बिजली नहीं आएगी। (निम्न मिश्र वाक्य से उपवाक्य छाँटकर लिखिए तथा भेद भी बताइए)
   ख. न कभी मिला न कभी बात की। (वाक्य भेद बताइए)
   ग. वह खाना खा रही थी और अपनी किताब पढ़ रही थी। (सरल वाक्य बनाइए)

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x4=4)
   क. वाच्य में 'अन्विति' से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
   ख. विपिन ने झूठ क्यों बोला ? (कर्मवाच्य में बदलें)
   ग. खिड़की से मत झाँको।(भाववाच्य में बदलें)
   घ. आओ, अब बैठा जाए। (कर्तृवाच्य में बदलें)

5. रेखांकित शब्द का पद–परिचय दीजिए – (1x4=4)
   क. लड़कियाँ काम <u>कर रही हैं।</u>
   ख. वह <u>स्वयं</u> खाना बना सकती है।
   ग. <u>ए!</u> इधर तो आओ भाई।
   घ. किराया दो <u>अथवा</u> मकान खाली कर दो।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x4=4)
   क. रस के अवयवों के नाम लिखिए।
   ख. घृणा तथा हास किन–किन रसों के स्थायी भाव है?

Contd.....3.

ग. 'बादल गरजो!
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!' पंक्ति में किस रस का प्रयोग हुआ है ? स्थायी भाव भी लिखिए।

घ. शांत रस का एक उदाहरण दीजिए।

खण्ड 'ग'

7. निम्न गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से भी मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं,बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

क. आग व सुई धागे की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है ? इस खोज के पीछे प्रेरणा के मुख्य स्त्रोत क्या रहे होंगे ? (2)

ख. पेट भरा होने और तन ढँका होने पर भी कौन व्यक्ति निठल्ला नहीं बैठ सकता और क्यों? (2)

ग. प्रथम पुरस्कर्ता कौन है? (1)

8. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (2x4=8)

क. खाँ साहब के जीवन में अभ्यास का क्या महत्व था? आप अभ्यास को जीवन में कितना महत्व देते हैं?

ख. गर्मियों में भगत के घर का आँगन संगीत और नृत्य से ओतप्रोत हो जाता था, कैसे? स्पष्ट करें।

ग. प्राकृत में लिखे किन्हीं दो ग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताएँ कि द्विवेदी जी ने समाज की दृष्टि में किन लोगों को दंडनीय कहा और क्यों ?

घ. मन्नू भंडारी ने कौन–कौन से उपन्यास पढ़े ? किन्हीं दो के नाम लिखकर बताएँ कि अच्छी पुस्तकें पढ़ने की प्रेरणा उन्हें कहाँ से, किस प्रकार मिली?

9. निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी मत दिखाई देना।

क. माँ ने बेटी को क्या–क्या सीखें दी? (2)

ख. 'माँ ने कहा लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।'– पंक्ति में किस परंपरा व आधुनिकता का दर्शन हुआ है? (2)

ग. माँ ने बेटी को जीवन के कटु सत्यों से परिचित क्यों कराया? (1)

10. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2x4=8)

क. आपके जीवन में संगतकार कौन–कौन हैं? आपके जीवन निर्माण में उनकी क्या उपयोगिता है, स्पष्ट करें।

Contd.....4.

ख. 'छाया' शब्द का प्रतीकार्थ स्पष्ट करते हुए'जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण' पंक्ति में छिपा संदेश बताइए ।

ग. लक्ष्मण की किन्हीं 2 चारित्रिक विशेषताओं पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए। आप लक्ष्मण की किस विशेषता को अपनाना चाहेंगे व क्यों ?

घ. कवि देव के कवित्त के आधार पर बसंत का मानवीकरण स्पष्ट कीजिए।

11. 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताएँ कि पहाड़ी बच्चों का जीवन व गतिविधियाँ, शहरी बच्चों के जीवन व गतिविधियों से किस प्रकार भिन्न हैं ? आपको शहरी बालक के रूप में क्या–क्या प्रेरणा मिली? हमारे शहरी जीवन में क्या बदलाव आवश्यक हैं ? (4)

खण्ड 'घ'

12. निम्न में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखें – (10)

1. धुँध मिश्रित प्रदूषण (स्मॉग)
   – कारण
   – प्रभावित क्षेत्र व प्राणी
   – परिणाम
   – संभव उपाय
2. बदलता खानपान और हम
   – खानपान का महत्त्व
   – भिन्न भिन्न प्रदेशों का खानपान
   – मानव जीवन पर प्रभाव
   – फ़ास्टफूड और चाइनीज़ फूड से नुकसान
3. राष्ट्र और हम
   – भूमिका
   – राष्ट्र का हमारे जीवन निर्माण में योगदान
   – राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य
   – उपसंहार–कर्तव्य को कैसे निभाएँ

13. 'नवभारत टाइम्स ' अखबार के संपादक को पत्र लिखकर अपनी चिंता व्यक्त कीजिए। चिंता का विषय है – फोन पर बात करते वाहन चालकों पर यातायात पुलिस का ढीला रवैया व बढ़ती दुर्घटनाएँ। (5)

अथवा

किसी विषय के अपने अध्यापक/अध्यापिका को पत्र लिखकर धन्यवाद व्यक्त करें कि इस विशेष विषय की आपकी तैयारी उन्हीं की मदद से किस प्रकार संभव हो सकी व आपने अपने जीवन के लिए उनसे क्या–क्या सीखा?

14. 'नारी सुरक्षा सप्ताह' दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित होने वाला है, इस विषय पर 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

अथवा

'स्वादिष्ट मिष्ठान्न भंडार' के लिए 25 से 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

*****